P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-3* ISSUE-12* (Part-2) March- 2019
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

देहरादून जनपद में उच्चत्तर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन

अनित कौर
गेस्ट असिस्टेंट प्रोफेसर,
शिक्षा विभाग,
हे.न.ब.गढ़वाल विश्वविद्यालय,
श्रीनगर गढ़वाल,
उत्तराखण्ड, भारत

शंकर सिंह
शोधार्थी,
शिक्षा विभाग,
हे.न.ब.गढ़वाल विश्वविद्यालय,
श्रीनगर गढ़वाल,
उत्तराखण्ड, भारत

सारांश

परिवार बालक के लिए प्राथमिक विद्यालय ळे, माता उसकी प्रथम शिक्षिका है, जिसके प्रभाव में आकर बालक के विकास को उचित, अनुचित दिशा मिलती है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करना है। प्रस्तुत शोध पत्र में न्यादर्श के लिए देहरादून जनपद के उच्चतर माध्यमिक स्तर के 299 छात्र–छात्राओं का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि से किया गया है प्रद्त्तो के संकलन के लिए डॉ0 एन0 के0 चडढा द्वारा निर्मित पारिवारिक वातावरण परीक्षण उपकरण का प्रयोग किया है। प्रद्त्तों के विश्लेषण के लिए मध्यमान, मानक विचलन और टी का प्रयोग किया गया है। आकंड़ो के संग्रहण एवं विवेचन के पश्चात परिणाम प्राप्त हुए हैं कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संबद्धता, अभिव्यक्ति, संघर्ष, स्वीकृति, सहायक क्रियाशील एवं नियंत्रण रखना में अंतर पाया गया है। विज्ञान वर्ग एवं कला वर्ग के छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम संबद्धता, अभिव्यक्ति, क्रियाशील एवं नियंत्रण में रखने में अंतर पाया गया है और शहरी तथा ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति, संघर्ष, स्वीकृति, सहायक, क्रियाशील एवं संगठन में अंतर पाया गया है।

मुख्य शब्द : उच्चतर माध्यमिक, पारिवारिक वातावरण, संबद्धता, क्रियाशील एवं संगठन।

प्रस्तावना

शिक्षा मानव विकास का मूल आधार है, शिक्षा के द्वारा ही उसकी मूल प्रवृत्तियों का परिमार्जन किया जाता है तथा जिसके द्वारा ही उसमें सामाजिकता का संचार होता है और वह एक सामाजिक प्राणी बनता है। बालकों के विकास में शिक्षा की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अतः प्रत्येक समाज का ये दायित्व है कि वह अपने बच्चों के लिए अच्छी से अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था करे। शिक्षा का कार्य व्यक्ति को न तो समाज के अनुरूप बनने के लिए प्रोत्साहित करना है और न ही समाज के साथ नकारात्मक सामंजस्य बनाने के लिए प्रेरित करना वरन् शिक्षा का कार्य वास्तविक जीवन मूल्यों की खोज में व्यक्ति की सहायता करना है। शिक्षा द्वारा बालक की समस्त शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक शक्तियों का विकास होता है। इससे वह समाज का एक उत्तरदायी घटक एवं राष्ट्र का प्रखर, चरित्र–सम्पन्न नागरिक बनकर समाज की सर्वांगीण उन्नति में अपनी शक्ति का उत्तरोत्तर प्रयोग करने की भावना से ओत–प्रोत होकर संस्कृति तथा सभ्यता को पुनर्जीवित एवं पुनर्स्थापित करने के लिये प्रेरित हो जाता है। जिस प्रकार एक ओर शिक्षा बालक का सर्वांगीण विकास करके उसे तेजस्वी, बुद्धिमान, चरित्रवान, विद्वान तथा वीर बनाती है, उसी प्रकार दूसरी ओर शिक्षा समाज की उन्नति के लिये भी एक आवश्यक तथा शक्तिशाली साधन है। इस प्रकार व्यक्ति तथा समाज दोनों के ही विकास में शिक्षा परम् आवश्यक है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, समाज की शुरुवात व्यक्ति के घर, पड़ोस और सामाजिक परम्पराओं से होती है, दूसरे शब्दों में मनुष्य अपनी परम्परा और पड़ोस की देन है। प्रसिद्ध वातावरण विशेषज्ञ लुक (1953) के अनुसार– ''बच्चे की समाज की तृप्तियाँ संतुष्ट वातावरण के प्रति होने वाली प्रतिक्रियाओं से होती है, वातावरण के साथ संघर्ष करना प्रत्येक प्राणी के जीवन का मुख्य लक्ष्य है ''माता–पिता, अध्यापकों एवं स्कूल के विद्यार्थियों के साथ प्रतिक्रियाएं मनुष्य की क्रियाओं का एक आवश्यक अंग है। प्रायः यह देखा गया

है, कि कुछ विद्यार्थी अपने अध्ययन, अनुशासन, व्यवहार एवं अन्य क्रियाकलापों को प्रशंसनीय तरीके से पूरा करते हैं। इसके विपरीत अन्य विद्यार्थी इन क्रियाकलापों द्वारा अनुचित व्यवहार को प्रदर्शित करते हैं। ऐसा तभी होता है, जब विद्यार्थी विभिन्न पारिवारिक वातावरण से आते हैं। व्यक्तियों के ढ़लने के लिए परिवार एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है क्योंकि बच्चा यहीं से जीवन यात्रा शुरू करता है। पारिवारिक वातावरण का बच्चे पर पड़ने वाले प्रभाव के महत्व के सम्बंध में रैमंट (1969) ने अपने विचार व्यक्त किये और कहा– दो बच्चे जो एक ही वर्ग के हैं, एक अध्यापक से प्रभावित हैं, एवं एक ही संगठन के हैं लेकिन उनके पारिवारिक वातावरण के कारण उनके नैतिक विचारों, रुचियों, सामान्य ज्ञान में भिन्नता पायी जाती है । परिवार ही बालक का पहला विद्यालय है, जहाँ से बच्चे अपने परिवारजनों की बुद्धि के अनुसार सीखते, पढ़ते हैं, बुद्धि का कारक भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये आवश्यक नहीं है कि यदि किसी घर में सभी विद्वान हैं, तो बच्चा भी विद्वान् बने, या सभी अनपढ़ हैं, तो बच्चा भी अनपढ़ हो। ये सब बच्चे के बौद्धिक स्तर तथा वातावरण से संम्बंधित होता है। जिस तरह की शिक्षा उसे घर के द्वारा मिलेगी उसकी बुद्धि का स्तर उतना ही उच्च एवं निम्न होगा। परिवार का सामाजिक, आर्थिक स्तर, स्थिति बालक के प्रति माता–पिता की अभिवृति घर में भाई–बहनों तथा अन्य बालकों की संख्या, परिवार में सदस्यों की संख्या आदि विभिन्न तत्व भी बालक में व्यक्तित्व विकास को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं, इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि बालक की सच्ची सफलता उसके पारिवारिक वातावरण से प्रभावित होती है। अलेक्जेंडर और रीबाका (1973) ने बताया कि माता पिता की जैसी भावनाएँ बच्चे के प्रति होगी उतने ही उनके सम्बन्ध अच्छे या बुरे होंगे। जो उनकी प्रतिकूल धारणाओं को अनूकूल करने में समर्थ होंगे। एम0खन्ना (1980) के अनुसार जूनियर हाईस्कूल के स्तर पर विद्यार्थियों के सामाजिक आर्थिक स्तर और उनकी शैक्षिक सफलता के बीच सम्बन्धों का अध्ययन किया। अध्ययन के अनुसार– सामाजिक आर्थिक स्तर, शैक्षिक सफलता से सकारात्मक और अर्थपूर्ण तरीके से जुड़ा हुआ है। विद्यार्थियों की सफलता सामाजिक, आर्थिक स्तर से जुड़ी हुई है। प्रसाद जगदीश (2000) ने अलवर जिले के माध्यमिक स्तर के पारिवारिक वातावरण का सामाजिक अभिवृत्ति एंव व्यक्तिगत मूल्यों पर प्रभाव का अध्ययन किया था जिससे यह परिणाम निकला कि पारिवारिक वातावरण का सामाजिक अभिवृत्ति पर व्यक्तिगत मूल्यों से अधिक प्रभाव पड़ता है। गुप्ता मधु और रानी सुरेखा (2015) ने अपने शोध में माध्यमिक स्कूल के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण का अध्ययन किया गया। इन्होंने न्यादर्श के रूप में रोहतक शहर से प्राईवेट स्कूल के 200 छात्रों को लिया। यादृच्छिक न्यादर्श तकनीकी का प्रयोग किया गया। घर–वातावरण के विभिन्न आयामों जैसे – नियंत्रण, संरक्षण, अनुकूलता, दंड, सामाजिक पृथकता, अस्वीकृति, स्वीकृति तथा विशेषाधिकार प्राप्त कर माध्यमिक स्कूल के छात्रों पर प्रभाव देखना शोध का मुख्य उद्देश्य था। परिणाम में पाया गया कि घर – वातावरण के तीन आयाम जैसे– नियंत्रण, ईनाम तथा स्वीकृति का छात्रों के शैक्षणिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पड़ता है तथा बाकी सात आयाम, जैसे– संरक्षण, सामाजिक पृथकता, अस्वीकृति, दंड आदि का छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। हम यह भी कह सकते हैं कि माता–पिता तथा परिवार की भूमिका बालिकाओं के सामाजिक व्यवहार को बनाने में महत्त्वपूर्ण होती हैं। एक बालिका के साथ माता–पिता या परिवार के लोग जैसा व्यवहार करते हैं या उनके आपस में जिस प्रकार के सम्बन्ध होते हैं वही व्यवहार बालक परिवार से बाहर समाज में करता है।

अध्ययन के उद्देश्य

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का लिंग विभिन्नता के आधार पर अध्ययन करना।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का कला वर्ग एवं विज्ञान वर्ग के आधार पर अध्ययन करना ।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का क्षेत्रीय विभिन्नता के आधार पर अध्ययन करना ।

परिकल्पना

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में लिंग विभिन्नता के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं है।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में कला वर्ग एवं विज्ञान वर्ग के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं है।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में ग्रामीण एवं शहरी वर्ग के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध अभिकल्प

शोध विधि

प्रस्तुत शोध के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए वर्णात्मक शोध विधि के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध की जनसंख्या के रूप में देहरादून जनपद के उच्चत्तर माध्यमिक स्तर के 12वीं कक्षा के छात्र–छात्राओं को सम्मिलित किया गया है।

न्यादर्श

देहरादून जनपद के उच्चतर माध्यमिक स्तर के 12वीं कक्षा के 299 छात्र–छात्राओं का चयन यादि्च्छक विधि से किया गया है।

शोध उपकरण

डॉ0 एन0 के0 चडढा द्वारा निर्मित पारिवारिक वातावरण परीक्षण नामक उपकरण का प्रयोग किया है। जो कि एक मानकीकृत परीक्षण है।

सांख्यिकीय विधि

सांख्यिकीय विश्लेषण के लिये टी परीक्षण का प्रयोग किया गया है। टी परीक्षण का मान ज्ञात करने के

लिये मध्यमान, मानक विचलन तथा मानक त्रुटि की गणना की गयी है।

आंकड़ो का विश्लेषण, परिणामों की व्याख्या एवं निष्कर्ष

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का लिंग विभिन्नता के आधार पर अध्ययन

तालिका 1.1

पारिवारिक वातावरण	छात्र - छात्रा	N	Mean	Std. Deviation	T	Df	Sig. (2-tailed)
संबद्धता	छात्र	139	50.62	8.486	3.535	297	.000
	छात्रा	160	46.43	11.536			
अभिव्यक्ति	छात्र	139	24.73	8.574	7.056	297	.000
	छात्रा	160	31.69	8.464			
संघर्ष	छात्र	139	42.13	7.352	2.449	297	.015
	छात्रा	160	39.86	8.494			
स्वीकृति,सहायक	छात्र	139	46.42	7.729	3.455	297	.001
	छात्रा	160	43.28	7.944			
स्वतंत्रता	छात्र	139	26.69	6.184	.597	297	.551
	छात्रा	160	26.27	6.026			
क्रियाशील	छात्र	139	31.45	6.997	2.268	297	.024
	छात्रा	160	29.58	7.170			
संगठन	छात्र	139	7.39	2.382	.684	297	.495
	छात्रा	160	7.19	2.659			
नियंत्रण रखना	छात्र	139	10.94	3.189	5.247	297	.000
	छात्रा	160	13.06	3.723			

तालिका 1.1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि **उच्चतर** माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम संबद्धता का मध्यमान 50.62 छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संबद्धता का मध्यमान 46.43 है जिसमें छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम सम्बद्धता का मध्यमान छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है। आकलित टी का मान 3.535 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम सम्बद्धता में सार्थक अंतर पाया गया है।

तालिका 1.1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति का मध्यमान 24.37 छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम सम्बद्धता का मध्यमान 31.69 है जिसमें छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति का मध्यमान छात्रों के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है, आकलित टी का मान 7.056 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति में सार्थक अंतर पाया गया है ।

तालिका 1.1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष का मध्यमान 42.13 छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष का मध्यमान 39.86 है जिसमें छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष का मध्यमान छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है, आकलित टी का मान 2.449 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष में सार्थक अंतर पाया गया है ।

तालिका 1.1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वीकृति, सहायक का मध्यमान 46.42 छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम सम्बद्धता का मध्यमान 43.28 है जिसमें छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम सम्बद्धता का मध्यमान छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 3.455 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः अत विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर

अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष में सार्थक अंतर पाया गया है।

तालिका 1.1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वतंत्रता का मध्यमान 26.69 छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम सम्बद्धता का मध्यमान 26.27 है जिसमें छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वतंत्रता का मध्यमान छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान .597 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से कम है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वतंत्रता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

तालिका 1.1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम क्रियाशील का मध्यमान 31.45 छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम क्रियाशील का मध्यमान 29.58 है जिसमें छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम क्रियाशील का मध्यमान छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 2.268 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम क्रियाशील में सार्थक अंतर पाया गया है।

तालिका 1.1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन का मध्यमान 7.39 छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन का मध्यमान 7.19 है जिसमें छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन का मध्यमान छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान .684 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से कम है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

तालिका 1.1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण रखना का मध्यमान 10.94 छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण रखना का मध्यमान 13.06 है जिसमें छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण रखना का मध्यमान छात्रों के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 5.247 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण रखना में सार्थक अंतर पाया गया है।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का कला वर्ग एवं विज्ञान वर्ग के आधार पर अध्ययन

तालिका 1.2

पारिवारिक वातावरण	छात्र–छात्रा	N	Mean	Std. Deviation	T	Df	Sig. (2-tailed)
संबद्धता	विज्ञान वर्ग	127	50.00	8.734	2.333	297	.020
	कला वर्ग	172	47.17	11.397			
अभिव्यक्ति	विज्ञान वर्ग	127	23.36	7.172	9.358	297	.000
	कला वर्ग	172	32.22	8.699			
संघर्ष	विज्ञान वर्ग	127	41.28	7.296	.662	297	.508
	कला वर्ग	172	40.65	8.576			
स्वीकृति, सहायक	विज्ञान वर्ग	127	45.36	7.820	1.166	297	.245
	कला वर्ग	172	44.27	8.100			
स्वतंत्रता	विज्ञान वर्ग	127	26.98	6.321	1.268	297	.206
	कला वर्ग	172	26.08	5.909			
क्रियाशील	विज्ञान वर्ग	127	32.10	6.938	3.507	297	.001
	कला वर्ग	172	29.23	7.059			
संगठन	विज्ञान वर्ग	127	7.22	2.407	.354	297	.723
	कला वर्ग	172	7.33	2.627			
नियंत्रण रखना	विज्ञान वर्ग	127	11.28	3.209	3.329	297	.001
	कला वर्ग	172	12.67	3.825			

तालिका 1.2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संबद्धता का मध्यमान 50.00 एवं कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संबद्धता का मध्यमान 47.17 है जिसमें विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम सम्बद्धता का मध्यमान कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 2.333 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं एवं कला वर्ग के छात्र –छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संबद्धता में सार्थक अंतर पाया गया है।

तालिका 1.2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र – छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति का मध्यमान 23.36 एवं कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम सम्बद्धता का मध्यमान 32.22 है जिसमें कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति का मध्यमान विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 9.385 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं एवं कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति में सार्थक अंतर पाया गया है।

तालिका 1.2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष का मध्यमान 41.28 एवं कला वर्ग के छात्र –छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष का मध्यमान 40.65 है जिसमें विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष का मध्यमान कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान .662 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से कम है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं एवं कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

तालिका 1.2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वीकृति, सहायक का मध्यमान 45.36 एवं कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वीकृति, सहायक का मध्यमान 44.27 है जिसमें कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वीकृति, सहायक का मध्यमान विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 1.166 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से कम है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं एवं कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वीकृति, सहायक में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

तालिका 1.2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वतंत्रता का मध्यमान 26.98 एवं कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वतंत्रता का मध्यमान 26.08 है जिसमें विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वतंत्रता का मध्यमान कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 1.268 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से कम है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं एवं कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वतंत्रता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

तालिका 1.2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम क्रियाशील का मध्यमान 32.10 एवं कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम क्रियाशील का मध्यमान 29.23 है जिसमें विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम क्रियाशील का मध्यमान कला वर्ग के छात्र –छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 3.507 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं एवं कला वर्ग के छात्र –छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम क्रियाशील में सार्थक अंतर पाया गया है।

तालिका 1.2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन का मध्यमान 7.22 एवं कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन का मध्यमान 7.33 है जिसमें कला वर्ग के छात्र – छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन का मध्यमान विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान .354 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से कम है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं एवं कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

तालिका 1.2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण रखना का मध्यमान 11.28 एवं कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण रखना का मध्यमान 12.67 है जिसमें कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण रखना का मध्यमान विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 3.329 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं एवं कला वर्ग के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण रखना में सार्थक अंतर पाया गया है।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का क्षेत्रीय विभिन्नता के आधार पर अध्ययन

तालिका 1.3

पारिवारिक वातावरण	छात्र–छात्रा	N	Mean	Std. Deviation	T	Df	Sig. (2-tailed)
संबद्धता	शहरी	165	48.33	10.258	.087	297	.931
	ग्रामीण	134	48.43	10.672			
अभिव्यक्ति	शहरी	165	26.98	8.500	3.135	297	.002
	ग्रामीण	134	30.28	9.691			
संघर्ष	शहरी	165	42.78	5.983	4.578	297	.000
	ग्रामीण	134	38.63	9.566			
स्वीकृति,सहायक	शहरी	165	46.64	6.727	4.726	297	.000
	ग्रामीण	134	42.40	8.783			
स्वतंत्रता	शहरी	165	26.54	5.957	.234	297	.815
	ग्रामीण	134	26.37	6.279			
क्रियाशील	शहरी	165	32.30	6.462	5.180	297	.000
	ग्रामीण	134	28.17	7.298			
संगठन	शहरी	165	7.68	2.355	3.105	297	.002
	ग्रामीण	134	6.78	2.660			
नियंत्रण रखना	शहरी	165	12.04	3.257	.214	297	.831
	ग्रामीण	134	12.13	4.068			

तालिका 1.3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संबद्धता का मध्यमान 48.33 एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संबद्धता का मध्यमान 48.43 है जिसमें ग्रामीण छात्र – छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संबद्धता का मध्यमान शहरी छात्र–छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान .087 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से कम है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संबद्धता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

तालिका 1.3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति का मध्यमान 26.98 एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं

के पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति का मध्यमान 30.28 प्राप्त हुआ है जिसमें ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति का मध्यमान शहरी छात्र –छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 3.135 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं एवं ग्रामीण छात्र –छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति में सार्थक अंतर पाया गया है।

तालिका 1.3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष का मध्यमान 42.78 एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष का मध्यमान 38.63 प्राप्त हुआ है जिसमें शहरी छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष का मध्यमान ग्रामीण छात्र–छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 4.578 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष में सार्थक अंतर पाया गया है।

तालिका 1.3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वीकृति,सहायक का मध्यमान 46.64 एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वीकृति, सहायक का मध्यमान 42.40 प्राप्त हुआ है जिसमें शहरी छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वीकृति,सहायक का मध्यमान ग्रामीण छात्र –छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 4.726 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वीकृति, सहायक में सार्थक अंतर पाया गया है

तालिका 1.3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वतंत्रता का मध्यमान 26.54 एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम सम्बद्धता का मध्यमान 26.37 प्राप्त हुआ है जिसमें शहरी छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वतंत्रता का मध्यमान ग्रामीण छात्र–छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान .234 प्राप्त हुआ है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से कम है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वतंत्रता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

तालिका 1.3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम क्रियाशील का मध्यमान 32.30 एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम क्रियाशील का मध्यमान 28.17 प्राप्त हुआ है जिसमें शहरी छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम क्रियाशील का मध्यमान ग्रामीण छात्र–छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 5.180 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम क्रियाशील में सार्थक अंतर पाया गया है।

तालिका 1.3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन का मध्यमान 7.68 एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन का मध्यमान 6.78 प्राप्त हुआ है जिसमें शहरी छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन का मध्यमान ग्रामीण छात्र–छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है आकलित टी का मान 3.105 है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से अधिक है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन में सार्थक अंतर पाया गया है।

तालिका 1.3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी

छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण रखना का मध्यमान 12.04 एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण रखना का मध्यमान 12.13 प्राप्त हुआ है जिसमें ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण रखना का मध्यमान शहरी छात्र–छात्राओं के प्राप्त मध्यमान की अपेक्षा अधिक है, आकलित टी का मान .214 प्राप्त हुआ है जो कि df = 297 के लिए सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.97 से सार्थक रूप से कम है।

परिणाम

अतः विश्लेषण से स्पष्ट है कि शोध कार्य के पूर्व में बनाई गयी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी छात्र–छात्राओं एवं ग्रामीण छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण रखना में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

निष्कर्ष

उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम संबद्धता, अभिव्यक्ति, संघर्ष, स्वीकृति, सहायक क्रियाशील एवं नियंत्रण रखना में अंतर पाया गया है, विज्ञान वर्ग एवं कला वर्ग के छात्रों के पारिवारिक वातावरण के आयाम संबद्धता, अभिव्यक्ति, क्रियाशील एवं नियंत्रण रखना में अंतर पाया गया है तथा शहरी तथा ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति, संघर्ष, स्वीकृति, सहायक, क्रियाशील एवं संगठन में अंतर पाया गया है।

शैक्षिक निहितार्थ

परिवार ही बालक का पहला विद्यालय है जहाँ से बच्चे अपने परिवारजनों की बुद्धि के अनुसार सीखता पढता है। बुद्धि का कारक भी अत्यंत महत्वपूर्ण है ये आवश्यक नहीं है की यदि किसी घर में सभी विद्वान हैं। तो बच्चा भी विद्वान बने, या सभी अनपढ हैं तो बच्चा भी अनपढ हो। ये सब बच्चे के बौद्धिक स्तर तथा वातावरण से सम्बन्धित होता है। जिस तरह की शिक्षा उसे घर के द्वारा मिलेगी उसकी बुद्धि का स्तर उतना ही उच्च एवं निम्न होगा। सर्वांगीण विकास के लिए उनके पारिवारिक वातावरण का स्वस्थ होना भी अति आवश्यक है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

कैथलाकपम, विद्यालक्ष्मी (2016) ''मोरल वैल्यूज ऑफ सैकण्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स ऑफ इम्फाल ईस्ट एण्ड बैस्ट डिस्ट्रिक ऑफ मनिपुर''

दरबारी, निधि (2014) ''ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ मोरल वैल्यूज ऑफ स्टूडेन्डस इन इन्स्टीटूशनल ऑफ हॉयर लर्निंग'', रिसर्च जर्नल्स, जर्नल ऑफ एज्यूकेशन, वॉल्यम 2, अंक 6 from www.researchjourali.com

सुमित्रा (2013), ''ए स्टडी ऑफ मोरल जजमेन्ट ऑफ सैकण्डरी स्कूल''

सरीन एवं सरीन (2008), शैक्षिक अनुसंधान विधियाँ, आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर, डॉ0 रंगेय राघव मार्ग, आगरा–2।

Abdullah, M.C. & Mahyuddin, R. ¼2009½ "Adjustment amongst first year students in a Malaysian University," Journals of Social Science, volume 8[3].

Akpinar, Ercan & Yildiz Elylem (2009) Students attitudes towards Science and Technology: An investigation of gender, grade level and academic achievement.

Al-Khadash, H.A. & Beshtawi, A.L. (2009) "Attitudes towards learning accounting by computers: The impact on perceived skills," Journal of accounting and taxation, Volume. 1[1] 01-07.

Abu-Hilal, M.M. (2000) "A strange model of Attitude towards school subjects, Academic Aspiration and Achievement," Published in Educational Psychology, Volume. 20 (75-84).

Website

https://shodhganga.inflibnet.ac.in/simple-search